हेमवती नंदन बहुगुणा

चर्चा में क्यों?

12 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के योजना भवन परिसर में**चौरी-चौरा** **शताब्दी महोत्सव** की शृंखला में **पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा की प्रतिमा का अनावरण** किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही बहुगुणा के व्यक्तित्व और कार्यों पर आधारित एक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन तथा 'हेमवती नंदन बहुगुणा'नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर बहुगुणा के जीवन पर आधारित एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।
- बहुगुणा जी का **जन्म 25 अप्रैल, 1919** को वर्तमान **उत्तराखंड के पौड़ी ज़िले** के बुघाणी गाँव में हुआ था, लेकिन उन्होंने उत्तर प्रदेश के विकास के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने 1942 में **भारत छोड़ो आंदोलन** के दौरान इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) में युवाओं को नेतृत्व प्रदान किया तथा बाद में **नैनी के आसपास औद्योगिक विकास** में मदद की।
- वर्ष 1952 में हेमवती नंदन बहुगुणा **सर्वप्रथम विधानसभा सदस्य निर्वाचित** हुए। पुन: वर्ष 1957 से 1969 तक और 1974 से 1977 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे।
- बहुगुणा **दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री** रह चुके हैं। पहली बार 8 नवंबर, 1973 से 4 मार्च, 1974 तक तथा दूसरी बार 5 मार्च, 1974 से 29 नवंबर, 1975 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hemvati-nandan-bahuguna